

प्रेषक,

संख्या:- / XIV-1 / 2017-5(18) / 2011

बी0एम0मिश्र,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
सहकारी समिति, उत्तराखण्ड।

सहकारी, ग्रन्थ एवं चीनी अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 16 मार्च, 2017

विषय:- जनपद चम्पावत में 'एकीकृत सहकारी विकास परियोजना' हेतु वित्तीय स्वीकृति।
महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के आदेश संख्या-490/XXVII-1/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016, 26 जुलाई, 2016 व 20 सितम्बर, 2016 के क्रम में आपके पत्र संख्या-6408/नियो0/आई0सी0 डी0पी0-चम्पावत /2016-17 दिनांक 20 दिसम्बर, 2016, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि एकीकृत सहकारी विकास परियोजना, चम्पावत के क्रियान्वयन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में ₹59,00,000/- (रुपये चन्सठ लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

(1) व्यय के संबंध में वित्त विभाग के आदेश संख्या-490/XXVII-1/2016, दिनांक 31 मार्च 2016 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि के उपयोग की मदवार/ लक्ष्यवार अवतन वित्तीय मौक्तिक प्रगति से शासन को त्रैमासिक रूप से अवगत कराया जायेगा।

(2) स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना के अन्तर्गत स्वीकृत सभी ऋणों की प्रतिपूर्ति हो जाए और उसे कोषागार के समतल लेखा शीर्षक के अन्तर्गत जमा करा दिया जाए।

(3) स्वीकृत अशापी, ऋण एवं अनुदान की धनराशि, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा मूल रूप में स्वीकृत परियोजना में उल्लिखित शर्तों/ मदों/ लक्ष्यों के अनुसार व्यय की जायेगी।

(4) स्वीकृत धनराशि निगम की परियोजना के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में व समय-समय पर निर्गत शर्तों के अनुरूप नियंत्रित होगी।

(5) इन शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित किये जाने की पूर्ण जिम्मेदारी निबन्धक, सहकारी समिति, उत्तराखण्ड की होगी।

(b) उक्त धनराशि की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम' द्वारा राज्य सरकार को की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार उक्त धनराशि निबंधक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड द्वारा निर्दिष्ट कार्य में व्यय करने हेतु सम्बन्धित परियोजना को उपलब्ध करायी जाएगी।

2. उक्त शासनादेश के प्रसार-1 में निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागों / उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक / मुख्य लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे।

3. उपर्युक्त व्यय वाल, वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में सहकारिता विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत निम्नलिखित शीर्षकों के नामे डाला जायेगा:-

अनुदान संख्या-18

(धनराशि ₹ में)

लेखाशीर्षक	स्वीकृत धनराशि
4425-सहकारिता पर प्रयोगित परित्यज-आयोजनागत 00-200-अन्य निवेश 03-समितियों की अशपूजी में विनियोजन(राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पोषित) 00-20-निवेश / ऋण।	55,63,000.00
6425-सहकारिता के लिए कर्ज-आयोजनागत 00-300-अन्य कर्ज 04-एकीकृत सहकारी विकास योजना के अन्तर्गत ऋण(राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पोषित) 00-30-निवेश / ऋण।	3,37,000.00
योग-	59,00,000.00

3- यह आदेश वित्त विभाग के पत्र संख्या-490/XXVII-1/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016, 26 जुलाई, 2016 व 20 सितम्बर, 2016 द्वारा निर्गत किये गये दिशा-निर्देशों के कम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-आई0डी0 मूल रूप में।

भवदीय,

(बी0एम0 मिश्र)

अपर सचिव।

संख्या-246 (1)/XIV-1/2017, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदार, ओवरसैंग ऑडिटिंग, माजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड।

2. प्रबन्ध निदेशक राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, 4-सीरी इन्स्टीट्यूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली को उक्तानुसार अनुवृत्त धनराशि की राज्य सरकार को प्रतिपूर्ति किए जाने हेतु।

3. मण्डलायुक्त, कुमायूँ, नैनीताल, उत्तराखण्ड।

4. अधिशासी निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।

5. जिलाधिकारी, चम्पावत, उत्तराखण्ड।